SYLLABUS

LECTURER (SCHOOL EDUCATION)
PAPER – II
Hindi

खंड-I उच्च माध्यमिक स्तर

(अ)

- संधि, समास, उपसर्ग, प्रत्यय
- पर्यायवाची शब्द, विलोम शब्द, समश्रुत भिन्नार्थक शब्द, अनेकार्थी शब्द, वाक्यांष के लिए सार्थक शब्द
- शब्द शुद्धीकरण एवं वाक्य शुद्धीकरण
- अर्द्धशासकीय पत्र, विज्ञप्ति, परिपत्र, निविदा, ज्ञापन, अधिसूचना
- मुहावरे एवं लोकोक्तियाँ
- अपठित गद्यांश, अपठित पद्यांश
- जनसंचार के प्रमुख माध्यम, तत्सम्बन्धी लेखन एवं पत्रकारिता
- कविता, कहानी, वार्ता, रिपोर्ताज एवं डायरी - लेखन विषयक परिभाषा, तत्त्व आदि

(ब)

- शब्द शक्ति - अभिधा, लक्षणा, व्यंजना
- अलंकार - यमक, श्लेष, उपमा, रूपक, उत्प्रेक्षा, संदेह, भ्रान्तिमान, दृष्टान्त, उदाहरण
- छंद - दोहा, चौपाई, रोला, उल्लाला, गीतिका, हरिगीतिका
- काव्य-गुण - माधुर्य, ओज, प्रसाद
- काव्य-रस - रस का स्वरूप, रसावयव-स्थायीभाव, विभाव, अनुभाव, संचारीभाव, विभिन्न रसों के लक्षण एवं उदाहरण

खंड-II स्नातक स्तर

हिन्दी साहित्य का इतिहास :

(i) इतिहास-लेखन की परम्परा, प्रमुख इतिहास-ग्रंथ एवं इतिहास-लेखक, हिन्दी साहित्य का आरम्भ, काल-विभाजन और नामकरण

(ii) आदिकाल- रचनाओं की प्रामाणिकता, प्रवृत्तियाँ, प्रमुख रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय (चंदवरदाई, नरपतिनाल्ह)

(iii) भक्तिकाल- सामान्य परिचय, भक्ति का उद्भव, विकास और दार्षनिक पृष्ठभूमि

- संत काव्य - विषेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (कबीर, दादू)
- सूफी काव्य - विषेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (जायसी, मंझन)
- राम भक्ति काव्य - विषेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (तुलसीदास)
- कृष्ण भक्ति काव्य - विषेषताएँ, प्रमुख कवि एवं रचनाएँ (सूरदास, मीरां, नंददास)

(iv) रीतिकाल - रीति से तात्पर्य, रीतिबद्ध, रीतिसिद्ध एवं रीतिमुक्त। तत्कालीन काव्य की सामान्य प्रवृत्तियाँ एवं विषेषताएँ; प्रमुख रचनाकार एवं रचनाओं का परिचय (देव, भूषण, बिहारी, घनानंद)

(v) आधुनिककाल

पूर्व पीठिका- तत्कालीन परिस्थितियाँ, हिंदी (खड़ी बोली) गद्य का उद्भव, नवजागरण, भारतेंदु एवं समकालीन साहित्यकार, गद्य की विविध विधाओं का उद्भव

विविध गद्यविधाओं का विकास - नाटक, एकांकी, निबंध, कहानी, उपन्यास, आत्मकथा, जीवनी, संस्मरण, रेखाचित्र एवं रिपोर्ताज- प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का परिचय
काव्य का विकास - भारतेंदु युग, द्विवेदी युग, छायावाद, प्रगतिवाद, प्रयोगवाद, नई कविता एवं समकालीन कविता - प्रमुख रचनाकारों एवं उनकी रचनाओं का परिचय।

खंड-III स्नातकोत्तर स्तर -

- काव्य- हेतु, लक्षण एवं प्रयोजन
- रसनिष्पत्ति, साधारणीकरण, ध्वनि सिद्धान्त, वक्रोक्ति सिद्धान्त
- अरस्तू का अनुकरण सिद्धान्त, लोंजाइनस का उदात्त तत्त्व, मनोविश्लेषणवाद

रचनाएँ :-

- कबीर ग्रंथावली (सं0 श्यामसुंदरदास) साखी
- रामचरित मानस (तुलसीदास)
- बिहारी रत्नाकर (सं0 जगन्नाथदास 'रत्नाकर')
- साकेत (मैथिलीषरण गुप्त)
- गुरुदेव कौ अंग, पद- प्रारम्भिक 05
- बालकांड
- प्रारम्भिक 25 दोहे
- नवम सर्ग
- कविता क्या है (चिंतामणि - पहला भाग, रामचंद्र शुक्ल), षिरीष के फूल (कल्पलता- हजारी प्रसाद द्विवेदी)

निबंध :-

कहानियाँ :- कफन (प्रेमचंद), पुरस्कार (जयशंकर प्रसाद), यही सच है (मन्नू भंडारी)

हिन्दी भाषा - उद्भव और विकास, बोलियाँ-उपबोलियाँ, राजभाषा और देवनागरी लिपि

खंड-IV (शिक्षा शास्त्र, शिक्षण-अधिगम सामग्री, कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का शिक्षण-अधिगम में उपयोग)

I. शिक्षा शास्त्र एवं शिक्षण-अधिगम सामग्री (किशोर अधिगमकर्ता हेतु अनुदेशनात्मक व्यूह रचनाएँ)

- सम्प्रेषण कौशल तथा इसका उपयोग।
- शिक्षण प्रतिमान (Teaching Models) अग्रिम व्यवस्थापक, संप्रत्यय सम्प्राप्ति, सूचना प्रक्रिया (Information Processing) पृच्छा प्रशिक्षण (Inquiry Training)
- शिक्षण के दौरान शिक्षण-अधिगम सामग्री तैयार करना तथा उपयोग करना।
- सहकारी अधिगम

II. शिक्षण-अधिगम में कम्प्यूटर एवं सूचना तकनीकी का उपयोग

- आई सी टी (ICT) हार्डवेयर (Hardware) एवं सॉफ्टवेयर (Software) की अवधारणा
- प्रणाली उपागम
- कम्प्यूटर सहाय अधिगम (CAL) कम्प्यूटर सहाय अनुदेषन (CAI)